ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

MANAGE

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड – VII अंक – XII

मार्च, 2016

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में:

- कृषि उद्यमियों ने कृषि उन्नति मेले – 2016 में भाग लिया
- इस माह के कृषि उद्यमी : श्रीमती. एस. सेल्लापोन्नु, मदुरै, तमिलनाडु
- इस माह का संस्थान: उद्यमवृत्ति विकास केंद्र (सीईडी), हैदराबाद, तेलंगाना
- श्रीमती. एम. सरिता रेड्डी को तेलंगाना राज्य की सर्वश्रेष्ठ महिला उद्यमी से सम्मानित

कृषिउद्यमी की मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें

1800 –425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

"कृषि उन्नति मेला" 2016, नई दिल्ली में भाग लेते कृषि उद्यमी

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 19 से 21 मार्च, 2016 तक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), पूसा, नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तरीय कृषि प्रदर्शनी "कृषि उन्नति मेला-2016" आयोजित किया गया। माननीय प्रधानमंत्री श्री. नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तरीय कृषि प्रदर्शनी "कृषि उन्नति मेला-2016" का उदघाटन किया। प्रधानमंत्री ने कृषि उन्नति मेले का सबसे आकर्षक तत्व 'थीम पवेलियन' का भी दौरा किया।

कृषि उन्नति मेला-2016 में कृषि उद्यमियों के साथ श्रीमती. वी. उषा रानी, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज हैदराबाद

राष्ट्रीय कृषि विस्तारण प्रबंध संस्थान (मैनेज) ने एग्री-क्लीनिक एवं एग्री-बिज़नस योजना (एसी एवं एबीसी) के अंतर्गत प्रशिक्षित 5 सर्वश्रेष्ठ कृषि उद्यमी जिन्होंने स्वयं का एग्री-वेंचर स्थापित किया है और जो देश में कृषकों को विस्तारण सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं उन्हें इस मेले में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। श्री. समीर रंजन बोरदोलाई, जोरहाट, असम, श्री. अविनाश सालूङ्खे, शिर्डी, महाराष्ट्र, श्री. जगदीश धनानी, अहमदाबाद, गुजरात, श्रीमती. संगीता सावलखे, येवट्मल, महाराष्ट्र और श्रीमती. एस. सेल्लापोन्नु मदुरै, तमिलनाडु ने मेले में भाग लिया और आगंतुकों से बातचीत की और अपनी सेवाएँ और उत्पाद बताए। इसने उन्हें देश के विभिन्न भागों में व्यक्तियों और एग्री-बिज़नस कंपनियों के साथ व्यावसायिक संपर्क साधने का मौका दिया।

कृषकों को एकीकृत कृषि पर समाधान प्रदान करते “वीकेएस ऐग्री-क्लीनिक”

सुश्री. एस. सेल्लापोन्नु ‘वीकेएस ऐग्री-क्लीनिक और ऐग्री-बिज़नस केंद्र की संस्थापिका है जो कृषि क्षेत्र में पूर्ण वैज्ञानिक समाधानों पर सूचना का प्रचार करता हैं। वह तिरुपुवनम, जिला शिवगंगा, तमिलनाडु की निवासी है, वें कृषि में स्नातक है और उन्हें वित्त में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त है। आरंभ में उन्होंने विभिन्न वित्तीय संस्थानों जैसे महिंद्रा शुभ-लाभ सर्विसेस लिमिटेड और नेशनल बल्क हैंडिलिंग कार्पोरेशन लिमिटेड, चेन्नई में 5 वर्षों तक कार्य किया। सुश्री. एस. सेल्लापोन्नु ने पाया कि तिरुपुवनम में कृषकों द्वारा सामना की जा रही मुख्य समस्या है कृषि की ओर वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कमी, कृषि की वस्तुओं के भंडारण हेतु गोदाम की कमी, बाज़ार तक पहुँचने के लिए बिचोलियों की भागीदारी जिनके कारण कृषकों को कम मुनाफा प्राप्त हो रहा था। कृषक समुदाय के विकास के लिए कार्य करने और पर्यावरण वहनीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के जुनून के कारण उन्होंने स्वयं का सामाजिक उद्यम आरंभ करने का निर्णय लिया। सुश्री. एस. सेल्लापोन्नु ने अपनी नौकरी त्याग दी और छोटे स्तर पर भंडार प्रबंधन में कृषि परामर्श आरंभ किया। इस बीच उन्होंने ऐग्री-क्लीनिक और ऐग्री-बिज़नस केंद्र योजना का विज्ञापन देखा। उन्होंने वालन्टरी असोशिएशन फॉर पीपल सर्विस(वीएपीएस), एक एनटीआई में दाखिला लिया जो इस योजना के अंतर्गत दो माह का आवासीय प्रशिक्षण प्रदान करता है। सुश्री. एस. सेल्लापोन्नु का कहना है कि “एसी एवं एबीसी प्रशिक्षण” ने मुझे 3 विशिष्ट क्षेत्रों जैसे कृषि इनपुट (जैविक) की फुटकर बिक्री, मृदा और जल परीक्षण प्रयोगशाला सुविधा प्रदान करना और वैज्ञानिक फार्म समाधान में सहायता प्रदान की।

सुश्री. एस.सेल्लपोन्नु, कृषि उद्यमी

सुश्री. एस.सेल्लपोन्नु, कृषि उद्यमी कृषकों के साथ

वीकेएस ऐग्री-क्लीनिक शिवगंगा जिले में फैले 200 ग्रामों में संचालित है जिसमे 3000 से अधिक कृषक शामिल है जो पंजीकृत है और जिन्हें व्यक्तिगत फार्म कार्ड उपलब्ध करवाए गए हैं। सुश्री.एस.सेल्लपोन्नु कृषकों की फसल पद्धति के अनुसार उनके खेत का दौरा करती है और उन्हें नर्सरी प्रबंधन, भूमि की तैयरी, उर्वरकों का प्रयोग, सिंचाई प्रबंधन, कीट प्रबंधन, उपज आंकलन, कटाई और विपणन जैसे पूर्ण कृषि समाधान पर परामर्श देती है। इसके अलावा, वे भंडारण, बल्क हैंडलिंग, अंतिम उत्पाद की ग्रेडिंग और निरीक्षण पर पूर्ण परामर्श प्रदान करती है। एस. सेल्लापोन्नु के पास कड्डपुलीयर और पनरुटि ग्राम में 50,000 वर्ग फीट के भंडार उपलब्ध है। 80-100 के आस-पास कृषक और विक्रेता अपनी सामग्री जैसे, काजू, मूँगफली, धान, धनिया आदि इन भंडारों में जमा करते हैं। वस्तुओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुये सुश्री. सेल्लापोन्नु उनके भंडार सामाग्री के लिए भंडार रसीद, गुणवत्ता प्रमाणपत्र और बीमा सुविधाएं प्रदान करती हैं। भंडार का स्टॉक मूल्य 14 से 16 करोड़ है। भंडार रसीद के आधार पर कृषक अपनी सामाग्री पर बैंक से ऋण ले सकते हैं। इसके अलावा, सेल्लापोन्नु नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों को बढ़ावा देने में भी शामिल है, वें कृषकों को सौर्य ऊर्जा प्रणाली की स्थापना पर भी कृषकों को जागरूक करती है। उनकी क्षमता को ध्यान में रखते हुये, नाबार्ड ने एस.सेल्लापोन्नु को अपने क्षेत्र में कृषकों को जागरूक करने और सोलर वॉटर पंपिंग सिस्टम को लोकप्रिय बनाने की योजना प्रदान की। वह कृषकों को समझती है कि स्वचालित सोलर वॉटर पावर सिस्टम सिंचाई और पीने के उद्देश्य के लिए कुएं, पानी के हौज या नलकूप से पानी निकालने में लाभदायक है। सुश्री. सेल्लपोन्नु ने 6 व्यक्तियों को नियुक्त किया है और वीकेएस एग्री-क्लीनिक का वार्षिक कारोबार रु.2 करोड़ है। उभरते कृषि उद्यमियों के लिए सेल्लपोन्नु का यह संदेश है, “जब तक किसी के पास दृढ़ निश्चय और विश्वास है कुछ भी असंभव नहीं है”।

सुश्री. एस. सेल्लपोन्नु

एच.नं.18/476, पहला तल, सेद्वदिनगर, तिरुपुवनम, शिवरंगा जिला, कोयम्बटूर

ईमेल: sellaaa@yahoo.co.in, मोबाइल-09345753951,08939843270

सुश्री. मंजुला
नोडल अधिकारी

एनटीआई का नाम: उद्यमवृत्ति विकास केंद्र (सीईडी), हैदराबाद

पता: सर्वेक्षण सं. 342, एएलईएपी इंडस्ट्रियल एस्टेट, प्रगति नगर के पास, जेएनटीयू रोड के सामने, कुकटपल्ली, हैदराबाद, तेलंगाना- 500 090

फोन: 040-23892304, 65811068

मोबाइल सं.: 9912342341

ईमेल: ced.aleap@gmail.com/ ced.acabc@gmail.com

वेबसाइट: www.aleap.org

प्रशिक्षण की सं.: 18

प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की सं.: 437

स्थापित वेंचरों की सं.: 162

सफलता का दर: 37.47%

स्थापित एग्रीवेंचर: एग्री-क्लीनिक, डेरी एकक, कुक्कुड़ पालन, बागबानी नर्सरी और भूदृश्य निर्माण, बीज उत्पादन एकक, जैव-कीटनाशकों का उत्पादन एवं विपणन, जैव-डीजल-जेट्रोफा, औषधियों पौधों का विपणन, शहद प्रक्रमण एकक, ऊतक संवर्धन-केला, कस्टम हाइरींग केंद्र, आदि।

महिलाओं के नेतृत्व में कृषि उद्यमवृत्ति

महिलाएं परिवार में मुख्य भूमिका निभाती है जबकि उनके प्रयासों और कौशल के लिए कोई मूल्य नहीं दिया जाता। हालांकि, यह देखा गया है कि महिलाओं की अधिक हिस्सेदारी होने के कारण वैंचर का नाम महिलाओं के नाम पर है परंतु यह पुरुषों द्वारा चलाया जा रहा है जो इसका परिचालन और इसके मुख्य निर्णय लेते हैं। हालांकि, हाल ही के समय में महिलाओं में व्यवसाय की ओर जागरूकता बढ़ने और शिक्षा के फैलाव के कारण वे उद्यमवृत्ति को पारंपरिक गतिविधियों जैसे आचार, मसाले और पापड़ बनाने के एकक से बदलकर नवीन तकनीकों से संबन्धित वेंचर की और बढ़ रही हैं। उन्होंने न केवल इन

सीईडी, हैदराबाद में 35 महिला कृषिउद्यमी

गतिविधियों में अपनी क्षमता बताई है बल्कि इसमे उत्तीर्ण भी हुये हैं। उद्यमवृत्ति विकास केंद्र-सीईडी महिलाओं हेतु उद्यमवृत्ति विकास एवं कौशल प्रशिक्षण में दो दशकों से अधिक के अपने अनुभव से महिलाओं को सशक्त बनाने में सबसे आगे रहा है। महिलाओं में उद्यमवृत्ति के विकास के लिए मैनेज द्वारा प्रायोजित एग्री-क्लीनिक एवं एग्री-बिज़नस केंद्र के तहत उद्यमवृत्ति विकास केंद्र में महिलाओं के लिए विशेष रूप से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कुल 35 महिला अभ्यर्थियों का साक्षात्कार किया गया और उन्होंने सीईडी में दो माह के आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने एग्री-क्लीनिक, जैविक कृषि, नर्सरी, डेरी, पुष्पकृषि, ओरचर्ड बागबानी, केंचुआ खाद, एग्री-बिज़नस केंद्र, मूल्य संवर्धन, आदि का व्यवसाय आरंभ करने में दिलचस्पी भी दिखाई। **"कृषि उद्यमियों" की ओर से सबको अच्छी सफलता।**

कृषि उद्यमी श्रीमती. एम. सरिता रेड्डी को "तेलंगाना राज्य की सर्वश्रेष्ठ महिला कृषि उद्यमी" से सम्मानित किया गया।

तेलंगाना राज्य सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2016 पर उन महिलाओं को सम्मानित किया जिन्होंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान दिया। श्रीमती. एम. सरिता रेड्डी, एक कृषिउद्यमी जिन्होंने कृषि के क्षेत्र में बड़ी सफलता प्रदान की है को भी माननीय मंत्री, महिला एवं बल कल्याण, तेलंगाना राज्य द्वारा ललिता कलथोरनम, हैदराबाद में "तेलंगाना राज्य की सर्वश्रेष्ठ महिला कृषि उद्यमी" से सम्मानित किया गया। सुश्री. एम. सरिता रेड्डी नवरतन क्रॉप साइन्स लिमिटेड (एनसीएस) हैदराबाद, तेलंगाना की प्रबंध निदेशक है। नवरतन क्रॉप साइन्स प्राइवेट लिमिटेड (एनसीएस) हैदराबाद, इंडिया में स्थित एक एग्री-बायोटेक कंपनी है। नवरतन जैव-उर्वरक, जैव-उत्तेजक, सूक्ष्मपोशक तत्व और अन्य एग्री-इनपुट का निर्माण करता है। एनसीएस गुणवत्ता के कृषि-उत्पाद प्रदान करता है जो किफ़ायती भी है और पर्यावरण के अनुकूल भी है। विविध उत्पादों की श्रेणी में मृदा पुनर्यूविकरण, फसल उत्पाद को बढ़ाने, रोग पेदा करने वाले जीवों के विरुद्ध प्रतिरोध उत्प्रेरित करने और कीटों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए जैव-एजंट और जैव -रसायन शामिल है। सुश्री. सरिता ने जैविक कृषि को बढ़ावा देने में संलग्न कई एजंसियों और कृषक समुदायों से सहकारिता स्थापित की और राज्य में खेती की रक्षा की। लगभग 3000 कृषक उनके द्वारा जैक्कि खेती की ओर अग्रसर किए गए। सुश्री. सरिता ने प्रो. जयशंकर कृषि विश्वविद्यालय, राजेन्द्रनगर में एग्री-आन्ट्रप्रनर्शिप बियोंड 2020 शीर्षक से "पोली-हाउस टेक्नोलोजिस फॉर फूड सेक्युर्टी" पर विशेषतः महिलाओं के लिए राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की। इस संगोष्ठी का एजेंडा था वर्ष 2020 तक 100 एकड़ से अधिक के लिए संरक्षित खेती प्रदान करना। श्रीमती. एम. सरिता रेड्डी से नवरत्न क्रॉप साइन्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट सं.101/बी, फेस-II, आईडीए चेरलापल्ली, आर.आर. जिला-500051, तेलंगाना राज्य, भारत फोन: +91 40 65143358, मोबाइल: +91 90101 11139, ईमेल: navaratnacropscience@gmail.com, www.navaratnacropscience.com पर संपर्क किया जा सकता है।

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

कृषि उद्यमी उद्यमवृत्ति विकास केंद्र (सीएडी),
राष्ट्रीय कृषि विस्तारण प्रबंध संस्थान (मैनेज,)राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500 030, भारत
ई-मेल: indianagripreneur@manage.gov.in

"कृषि उद्यमी " श्रीमती वी.उषा रानी, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज द्वारा प्रकाशित है।
मुख्य संपादक : श्रीमती वी. उषा रानी, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज
संपादक : डॉ. पी. चन्द्रशेखर, निदेशक (कृषि विस्तार)
सहायक संपादक : डॉ. लक्ष्मी मूर्ति, श्रीमती. ज्योति सहारे
हिन्दी अनुवाद : डॉ. के. श्रीवल्ली

अधिक प्रश्नों हेतु, कृपया indianagripreneur@manage.gov.in पर संपर्क करें।